

उदा. आपकी चितकबरी आज नहीं दिखी, मेरा चितकबरा बैल बड़ा भाग्यशाली था।

चितचोर पुं. (देश.) 1. चित्त या मन को चुराने वाला 2. सुंदर 2. गुणवान, मनोहर 3. प्रिय, मनभावन 4. मन को आकर्षित करने वाला।

चितपट पुं. (देश.) एक प्रकार का खेल या बाजी जिसमें किसी फेंकी हुई वस्तु के चित्त या पट्ट (पट) पड़ने पर ही जीत-हार का निर्णय हो जाता है 2. कुश्ती, मल्ल युद्ध।

चितबाहु पुं. (देश.) तलवार चलाने के बल्लीस हाथों (चरणों) में से एक।

चितभंग पुं. (देश.) चित्त का न लगना, उचाट, उदासी 2. मतिभ्रम, बुद्धि का लोप या भ्रमित हो जाना, भौंछकापन।

चित्रन पुं. (तद्.) दे. चित्रण।

चित्रना स.क्रि. (तद्.) चित्रित करना, रँगना, चित्र बनाना।

चित्रवा पुं. (तद्.) ईंट के समान लाल रंग वाली चिड़िया जिसके डैनों पर काली चित्तियाँ पड़ी होती हैं और आँखे अनारदाने के समान सफेद और लाल होती हैं।

चितना वि. (तद्.) कबरा, चितकबरा, रंगबिरंगा।

चितवन स्त्री. (तद्.) ताकने का भाव या ढंग, अवलोकन, कटाक्ष, निगाह, दृष्टि, देखना मुहा. चितवन चढ़ाना- क्रोध की दृष्टि से देखना।

चितविलास पुं. (तद्.) एक प्रकार का डिंगल गीत।

चिता स्त्री. (तद्.) मुर्दे को जलाने के लिए चुनी हुई लकड़ियों का ढेर, शवदाह के लिए बिछाई या चिनी हुई लकड़ियों की राशि, श्मशान में शवदाह की क्रिया मुहा. चिता सजाना (चुनना)- शवदाह के लिए लकड़ियाँ को क्रम से रखना; चिता पर (में) बैठना- सती होना; चिता पर चढ़ना- मरना, मरघट।

चिताना स.क्रि. (तद्.) 1. सचेत करना, सावधान करना 2. किसी आवश्यक विषय की ओर ध्यान

दिलाना 3. आत्मबोध करना 5. जानोपदेश करना 5. जगाना 6. जलाना।

चितापिंड पुं. (तद्.) शवदाह से पूर्व श्मशान में किया जाने वाला पिंडदान।

चिताभूमि स्त्री. (तद्.) श्मशान, मरघट।

चितारना स.क्रि. (तद्.) स्मरण करना, याद में लाना।

चितारी पुं. (तद्.) दे. चितेरा।

चितारोहण पुं. (तद्.) विधवा का सती होने पर पति की चिता पर जाना या भस्म होने हेतु चढ़ना।

चितावनी स्त्री. (तद्.) सतर्क होने की क्रिया, चेताने की क्रिया, चितावनी, सावधान रहने की पूर्व सूचना।

चिति स्त्री. (तद्.) 1. चिता 2. समूह, ढेर 3. चुनाई या चुनने या इकट्ठा करने की क्रिया 4. शतपथ ब्राह्मण के अनुसार अग्नि का एक संस्कार 5. दीवार में ईंटों की चुनाई (चिनाई) 6. यज्ञ में ईंटों का एक संस्कार 7. चैतन्य 8. दुर्गा 9. समझ या बोध।

चितिका स्त्री. (तद्.) करधनी, मेखला दे. चिति।

चितेरा पुं. (तद्.) चित्रकार, चित्र बनाने वाला, तस्वीर खींचने वाला।

चितेरिन स्त्री. (तद्.) 1. चित्रकार की स्त्री 2. चित्र बनाने वाली स्त्री।

चितौनि स्त्री. (तद्.) दे. चितवना।

चितौल स्त्री. (तद्.) दे. चितवना।

चित् स्त्री. (तद्.) चेतना, चैतन्य, ज्ञान पुं. 1. चुनने वाला आदमी, बीनने वाला व्यक्ति, इकट्ठा करने वाला व्यक्ति 2. अग्नि 3. रामानुजाचार्य के अनुसार तीन पदार्थों में से एक जो जीव-पद-वाक्य, भोक्ता अपरिच्छिन्न, निर्मल ज्ञान-स्वरूप और नित्य कहा जाता है, अन्य दो पदार्थ अचित् और 'ईश्वर' है अव्य. (तद्.) संस्कृत का एक अनिश्चयवाची प्रत्यय जो 'कः', 'किम्' आदि सर्वनाम शब्दों में लगता है जैसे- 'किंचित्' 'कदाचित्' आदि।